

चालीसवें श्लोक का छिपा हुआ इतिहास - संख्या दो

संयुक्त राज्य अमेरिका, पैट्रियट अधिनियम, और भविष्यवाणी की पूर्ति का मार्ग

Jeff Pippenger

2024-09-19

हमने पिछले लेख का समापन उस वाक्य के साथ किया था, जिसमें कहा गया था, "2001 में संयुक्त राज्य अमेरिका की सरकार ने पैट्रियट अधिनियम को कानून के रूप में लागू किया।"

रविवार के प्रवर्तन के लिए इस आंदोलन में लगे हुए लोगों में भी बहुत से ऐसे हैं जो इस कार्रवाई के बाद आने वाले परिणामों के प्रति अंधे हैं। वे यह नहीं देखते कि वे सीधे धार्मिक स्वतंत्रता पर प्रहार कर रहे हैं। बहुत से ऐसे हैं जिन्होंने कभी बाइबल के सब्त के दावों को और उस झूठे आधार को, जिस पर रविवार की संस्था टिकी है, नहीं समझा। धार्मिक विधान के पक्ष में कोई भी आंदोलन वास्तव में पोपतंत्र के प्रति रियायत का कार्य है, जिसने इतने युगों से विवेक की स्वतंत्रता के विरुद्ध लगातार युद्ध किया है। रविवार का पालन, एक तथाकथित मसीही संस्था के रूप में, अपने अस्तित्व के लिए वह 'अधर्म का रहस्य' के प्रति ऋणी है; और उसका प्रवर्तन उन सिद्धांतों की वस्तुतः मान्यता होगा जो रोमवाद की मूल आधारशिला हैं। जब हमारा राष्ट्र अपने शासन के सिद्धांतों का इतना त्याग कर देगा कि वह रविवार का कानून बना देगा, तो प्रोटेस्टेंटवाद इस कार्य में पोपवाद से हाथ मिला लेगा; यह और कुछ नहीं होगा सिवाय उस अत्याचार को जीवन देने के, जो लंबे समय से फिर से सक्रिय निरंकुशता में कूद पड़ने के अवसर की उत्सुकता से प्रतीक्षा कर रहा है। टेस्टिमोनीज़, खंड 5, 711.

1888, 2001 का प्रतिरूप था, और उसी समय ब्लेयर बिल प्रस्तुत किया गया; हालाँकि उसके पारित न होने ने उसे भविष्यसूचक रूप से बोलने से रोक दिया। यह 66 ईस्वी का चिन्ह बन गया—एक घेराबंदी जो शुरू की गई और फिर रहस्यमय ढंग से वापस ले ली गई। जब यह समझ लिया जाता है कि 'पशु की प्रतिमा' के परीक्षण की दो अवधियाँ हैं, और कि दूसरी अवधि संयुक्त राज्य अमेरिका में रविवार के कानून से आरंभ होती है, जिसका प्रतिरूप वर्ष 321 है, और कि वह अवधि तब समाप्त होती है जब विश्वव्यापी रविवार का कानून, जिसका प्रतिरूप 538 है, पूरी तरह लागू कर दिया जाता है; तब भविष्यसूचक रूप से यह अपेक्षित होता है कि पहली 'पशु की प्रतिमा' के परीक्षण की अवधि की शुरुआत भी किसी प्रकार रविवार के कानून के प्रस्तावित किए जाने के एक प्रतिरूप से ही आरंभ हो। 1888 में, ब्लेयर बिल राष्ट्रीय रविवार के कानून को लागू करने का एक प्रयास था, और 1888 यह दर्शाता है कि प्रकाशितवाक्य अठारह का दूत कब उतरता है और अपनी महिमा से पृथ्वी को आलोकित कर देता है।

पैट्रियट एक्ट उस रविवार कानून का प्रतिरूप है जो संयुक्त राज्य अमेरिका में पशु की प्रतिमा के परीक्षण काल की शुरुआत करता है। संयुक्त राज्य अमेरिका, जब वह रविवार का कानून लागू करता है, प्रकाशितवाक्य अध्याय तेरह, पद ग्यारह की पूर्ति में, ड्रैगन की तरह बोलता है। जब वह उस कानून को लागू करेगा तो वह ड्रैगन की तरह बोलेगा, और वह रविवार का कानून यह दर्शाता है कि संयुक्त राज्य अमेरिका में पशु की प्रतिमा पूर्णतया निर्मित हो चुकी है। उस समय तक संयुक्त राज्य अमेरिका अपने परीक्षाकाल का प्याला भर चुका होगा, और राष्ट्रीय धर्मत्याग के बाद राष्ट्रीय विनाश आता है। उसी समय, त्रि-गुना गठबंधन स्थापित हो जाने पर, संयुक्त राज्य अमेरिका बाइबल की भविष्यवाणी के छठे राज्य के रूप में बने रहना बंद कर देता है।

अल्फ़ा और ओमेगा हमेशा आरंभ के माध्यम से अंत को दर्शाता है, और संयुक्त राज्य की शुरुआत में तीन ऐसे अवसर थे जब संयुक्त राज्य ने भविष्यवाणीपूर्ण ढंग से बोला, जिसने बाइबिलीय भविष्यवाणी के छठे राज्य के रूप में संयुक्त राज्य की शुरुआत को चिह्नित किया। 1776 की स्वतंत्रता की घोषणा, उसके बाद 1789 का संविधान, और फिर 1798 के एलियन और सेडिशन अधिनियम—ये उन पहले तीन अवसरों की पहचान करते हैं जब संयुक्त राज्य ने भविष्यवाणीपूर्ण ढंग से बोला। उन तीनों प्रकाशनों में से प्रत्येक ने संयुक्त राज्य के बोलने का प्रतिनिधित्व किया। वे तीन कदम 1798 तक ले गए, जो बाइबिलीय भविष्यवाणी के छठे राज्य के रूप में संयुक्त राज्य के शासन का प्रारंभ

था। संयुक्त राज्य के आरंभ में मौजूद वही तीन मील के पत्थर, ऐसे तीन मील के पत्थरों का प्रतिनिधित्व करते हैं जो संयुक्त राज्य के बाइबिलीय भविष्यवाणी के छठे राज्य के रूप में शासन के अंत तक ले जाते हैं।

छठे राज्य के रूप में अपने अंत पर पहुँचते हुए संयुक्त राज्य अमेरिका के 'तीन बार बोलने' में पहला पैट्रियट एक्ट है। तीसरा 'बोलना', जो छठे राज्य के अंत की पहचान करता है, 'रविवार का कानून' है। उस इतिहास के बीच 6 जनवरी के पेलोसी मुकदमे 2022 में आरंभ किए गए। ये मुकदमे संविधान में निहित अधिकारों का प्रत्यक्ष उल्लंघन थे, क्योंकि ये मुकदमे स्वभावतः राजनीतिक थे, और जो लॉफेयर हुआ वह मात्र तथ्यों की मनगढ़ंत नहीं था, बल्कि वास्तव में यह संविधान में वर्णित 'प्रक्रियात्मक' और 'मूल' कानून पर सीधा हमला था।

2001 का पैट्रियट एक्ट "उचित प्रक्रिया उपबंध" पर सीधा हमला था, जो संयुक्त राज्य अमेरिका के संविधान के पंचम संशोधन और चतुर्दश संशोधन दोनों में निहित है। ये प्रावधान करते हैं कि विधि की उचित प्रक्रिया के बिना किसी को जीवन, स्वतंत्रता या संपत्ति से वंचित नहीं किया जा सकता। यह 2001 की बात थी, और 2022 में संविधान पर हमला "प्रक्रियात्मक उचित प्रक्रिया" और "सारभूत उचित प्रक्रिया" दोनों पर केंद्रित था। "Repudiate" शब्द का अर्थ अस्वीकार करना होता है, और सिस्टर वाइट यह बताती हैं कि संयुक्त राज्य अमेरिका में रविवार के कानून के समय संविधान के हर सिद्धांत को अस्वीकार कर दिया जाएगा।

परमेश्वर की व्यवस्था का उल्लंघन करते हुए पापसी संस्था को लागू कराने वाले उस फरमान के द्वारा हमारा राष्ट्र धार्मिकता से पूरी तरह विच्छिन्न हो जाएगा। जब प्रोटेस्टेंटवाद उस खाई के पार अपना हाथ बढ़ाकर रोमी सत्ता का हाथ थामेगा, जब वह अथाह खाई के ऊपर से हाथ बढ़ाकर आत्मवाद से हाथ मिलाएगा, जब इस त्रिविध गठबंधन के प्रभाव में हमारा देश एक प्रोटेस्टेंट और गणतांत्रिक सरकार के रूप में अपने संविधान के हर सिद्धांत को अस्वीकार कर देगा और पापसी असत्यताओं और भ्रमों के प्रसार के लिए प्रावधान करेगा, तब हम जान सकेंगे कि शैतान के आश्चर्यकर्मों का समय आ गया है और कि अंत निकट है।

जिस प्रकार रोमी सेनाओं का आगमन शिष्यों के लिए यरूशलेम के आसन्न विनाश का चिन्ह था, उसी प्रकार यह धर्मत्याग हमारे लिए इस बात का संकेत हो सकता है कि परमेश्वर की सहनशीलता की सीमा पूरी हो चुकी है, कि हमारे राष्ट्र के अधर्म का पैमाना भर गया है, और कि दया का दूत अब उड़ान भरने ही वाला है, फिर कभी लौटने के लिए नहीं। तब परमेश्वर की प्रजा उन कष्ट और क्लेश के दृश्यों में डाल दी जाएगी, जिन्हें भविष्यद्वक्ताओं ने 'याकूब के क्लेश का समय' कहा है। विश्वासयोग्य, सताए हुए जनों की पुकारें स्वर्ग तक उठती हैं। और जैसे हाबिल का लहू भूमि से पुकारता था, वैसे ही शहीदों की कब्रों से, समुद्र की समाधियों से, पर्वतीय गुफाओं से, मठों के तहखानों से भी परमेश्वर की ओर पुकारती हुई आवाजें उठती हैं: 'हे प्रभु, पवित्र और सत्य, कब तक तू उन पर, जो पृथ्वी पर बसते हैं, हमारे लहू का न्याय और प्रतिशोध नहीं करेगा?'

परमेश्वर अपना कार्य कर रहे हैं। सम्पूर्ण स्वर्ग में हलचल है। समस्त पृथ्वी का न्यायाधीश शीघ्र ही उठ खड़ा होगा और अपने अपमानित अधिकार की प्रतिष्ठा पुनर्स्थापित करेगा। मुक्ति का चिह्न उन लोगों पर लगाया जाएगा जो परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन करते हैं, जो उसकी व्यवस्था का आदर करते हैं, और जो पशु या उसकी प्रतिमा का चिह्न लेने से इनकार करते हैं।

परमेश्वर ने प्रकट किया है कि अंतिम दिनों में क्या होने वाला है, ताकि उसके लोग विरोध और क्रोध के तूफान के विरुद्ध खड़े होने के लिए तैयार हों। जिनको उनके आगे होने वाली घटनाओं की चेतावनी दी गई है, उन्हें आने वाले तूफान की शांत प्रतीक्षा में बैठना नहीं चाहिए, यह सोचकर अपने आप को सांत्वना देना कि विपत्ति के दिन प्रभु अपने विश्वासयोग्यों को आश्रय देंगे। हमें अपने प्रभु की प्रतीक्षा करने वालों के समान होना चाहिए, निष्क्रिय प्रतीक्षा में नहीं, बल्कि अटल विश्वास के साथ लगन से कार्य करते हुए। यह समय ऐसी बातों में मन को उलझने देने का नहीं है जो गौण हैं। जब लोग सो रहे हैं, शैतान सक्रिय रूप से ऐसे प्रबंध कर रहा है कि प्रभु के लोगों के लिए न दया रहे न न्याय। रविवार का आंदोलन अब अंधकार में अपना मार्ग बना रहा है। नेता वास्तविक मुद्दे को छिपा रहे हैं, और बहुत से जो इस आंदोलन में सम्मिलित हो रहे हैं, वे स्वयं नहीं देखते कि अंतरधारा किस ओर जा रही है। इसके दावे सौम्य और ऊपर से मसीही प्रतीत होते हैं, पर जब यह बोलेगा तो यह अजगर की आत्मा

को प्रकट करेगा। हमारा कर्तव्य है कि अपनी सामर्थ्य के अनुसार सब कुछ करके उस आसन्न संकट को टालें। हमें लोगों के सामने अपने आप को उचित प्रकाश में प्रस्तुत करके पूर्वाग्रह को दूर करने का प्रयत्न करना चाहिए। हमें उनके सामने वास्तविक प्रश्न रखना चाहिए, और इस प्रकार अंतरात्मा की स्वतंत्रता को सीमित करने वाले उपायों के विरुद्ध सबसे प्रभावी विरोध खड़ा करना चाहिए। हमें पवित्र शास्त्र का अनुसंधान करना चाहिए और अपने विश्वास का कारण बताने में सक्षम होना चाहिए। भविष्यद्वक्ता कहता है: 'दुष्ट दुष्टता ही करेंगे; और दुष्टों में से कोई समझ न सकेगा; परन्तु बुद्धिमान समझेंगे।' टेस्टिमोनीज़, खंड 5, 451, 452.

सिस्टर वाइट रिविवार के कानून को कई अंतिम दिनों के मार्गचिह्नों के साथ जोड़ती हैं, और ऐसा करते हुए उनके शब्द यह प्रकट करते हैं कि "अंतिम दिनों में क्या होने वाला है, ताकि उसके लोग विरोध और क्रोध के तूफान के सामने डटे रहने के लिए तैयार हों।" अतः इस अंश में जिन मार्गचिह्नों को वह जोड़ती हैं, उनका सावधानीपूर्वक परीक्षण किया जाना चाहिए। मेरा सुझाव है कि संदर्भ-बिंदु वह भविष्यवाणी की रेखा है जो संयुक्त राज्य अमेरिका के संविधान पर, तथा एक परस्पर-संबद्ध प्रतीक के रूप में राष्ट्र के "बोलने" पर केंद्रित है।

मेरा मतलब यह है कि 1888 का ब्लेयर बिल, 2001 का पैट्रियट एक्ट, और 2022 में शुरू हुए डेमोक्रेट्स और ग्लोबलिस्ट रिपब्लिकन द्वारा संचालित राजनीतिक अभियोजन—ये प्रत्येक संविधान के दो आवश्यक तत्वों का प्रत्यक्ष अस्वीकार थे। 1888 रिविवार की उपासना के प्रवर्तन का द्योतक है, और 2001 में अंग्रेज़ी विधि से रोमन विधि में परिवर्तन हुआ। 2022 में 'सारगत' और 'प्रक्रियात्मक' विधि पर हमला किया गया।

सारभूत कानून व्यक्तियों और संगठनों के अधिकारों और दायित्वों को परिभाषित करता है, जबकि प्रक्रियात्मक कानून विवादों के समाधान और व्यक्तियों व संगठनों के अधिकारों एवं दायित्वों के प्रवर्तन हेतु प्रक्रिया की रूपरेखा निर्धारित करता है। कानून वैध या अवैध आचरण को परिभाषित करता है और उसके लिए दंड निर्धारित करता है। सारभूत कानून कई विधिक क्षेत्रों को समाहित करता है, जिनमें आपराधिक, दिवानी और संविदा कानून शामिल हैं।

आपराधिक कानून सारभूत विधि का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। आपराधिक कानून यह निर्धारित करता है कि किन कार्यों को अपराध माना जाएगा और उन अपराधों के लिए क्या दंड होंगे। वहीं, दीवानी कानून व्यक्तियों और संगठनों के बीच होने वाले विवादों को विनियमित करता है, जैसे अनुबंध का उल्लंघन, व्यक्तिगत चोट, या संपत्ति संबंधी विवाद।

वस्तुगत विधि आम तौर पर अधिनियमों, विनियमों और दृष्टांत विधि में लिखी होती है। अधिनियम वे कानून हैं जिन्हें विधायी निकाय पारित करते हैं, जैसे राष्ट्रीय संसदें या राज्यों के विधानमंडल, और विनियम वे नियम व प्रक्रियाएँ हैं जिन्हें प्रशासनिक अभिकरण बनाते हैं। दृष्टांत विधि वह कानून है जिसे न्यायाधीश अधिनियमों, विनियमों और संविधान की अपनी व्याख्या के माध्यम से निर्मित करते हैं।

प्रक्रियात्मक विधि से आशय उन नियमों से है जो विधिक प्रक्रिया का संचालन करते हैं। यह बताती है कि मामले विधिक व्यवस्था में कैसे आगे बढ़ते हैं, शिकायत दायर करने की प्रारंभिक अवस्था से लेकर अंतिम समाधान तक। प्रक्रियात्मक विधि नागरिक, आपराधिक और प्रशासनिक प्रक्रियाओं सहित विभिन्न विधिक क्षेत्रों को शामिल करती है। प्रक्रियात्मक विधि का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि विधिक प्रक्रिया निष्पक्ष और दक्ष हो। यह विवादों के समाधान के लिए एक ढांचा प्रदान करती है और यह सुनिश्चित करती है कि विधिक प्रक्रिया में शामिल सभी लोग, जिनमें न्यायाधीश, वकील और पक्षकार शामिल हैं, यह जानते हों कि उनसे क्या अपेक्षा की जाती है।

वस्तुगत और प्रक्रियात्मक विधि न्याय सुनिश्चित करने के लिए मिलकर काम करने हेतु अभिप्रेत हैं। वस्तुगत विधि व्यक्तियों और संगठनों के अधिकारों व दायित्वों को परिभाषित करती है, जबकि प्रक्रियात्मक विधि विवादों के निपटारे और उन अधिकारों व दायित्वों के प्रवर्तन की प्रक्रिया की रूपरेखा निर्धारित करती है। दूसरे शब्दों में, वस्तुगत विधि यह तय करती है कि कौन सा आचरण कानूनी है या गैरकानूनी और गैरकानूनी आचरण के क्या परिणाम होंगे, जबकि प्रक्रियात्मक विधि यह बताती है कि उन कानूनी मुद्दों का समाधान कैसे किया जाता है।

2001 में, पैट्रियट ऐक्ट ने हैबियस कॉर्पस के अधिकार को समाप्त कर दिया। "हैबियस कॉर्पस" एक लैटिन शब्द है जिसका अनुवाद "तुम्हें शरीर प्राप्त होगा" होता है। यह एक कानूनी सिद्धांत को संदर्भित करता है जो न्यायालय से किसी व्यक्ति की कैद की वैधता की जांच कराने की मांग करके व्यक्तियों को अवैध हिरासत से बचाता है। हैबियस कॉर्पस कई विधि प्रणालियों में एक मौलिक अधिकार है, विशेषकर उन प्रणालियों में जो अंग्रेजी कॉमन लॉ से प्रभावित हैं। यह सुनिश्चित करता है कि उचित कारण के बिना किसी व्यक्ति को हिरासत में नहीं रखा जा सकता और उन्हें अपनी हिरासत की वैधता को किसी न्यायाधीश के समक्ष चुनौती देने की अनुमति देता है।

संयुक्त राज्य अमेरिका के संविधान के पाँचवें और चौदहवें संशोधनों दोनों में समुचित प्रक्रिया उपधारा पाई जाती है। इनमें यह प्रावधान है कि विधि की समुचित प्रक्रिया के बिना किसी को भी जीवन, स्वतंत्रता या संपत्ति से वंचित नहीं किया जा सकता। अदालतों ने समुचित प्रक्रिया के सिद्धांत की दो शाखाएँ विकसित की हैं: प्रक्रियात्मक समुचित प्रक्रिया और सारगत समुचित प्रक्रिया। 2001 में, पैट्रियट ऐक्ट के साथ, हैबियस कॉर्पस को एक अधिकार के रूप में हटा दिया गया, और अंग्रेजी कानून को रोमन कानून से प्रतिस्थापित कर दिया गया। अंग्रेजी कानून के अनुसार किसी व्यक्ति को दोष सिद्ध होने तक निर्दोष माना जाता है, जबकि रोमन कानून के अनुसार किसी व्यक्ति को निर्दोष सिद्ध होने तक दोषी माना जाता है। 2022 के पेलोसी मुकदमों में, प्रक्रियात्मक और सारगत दोनों प्रकार की समुचित प्रक्रिया को पददलित किया गया। संवैधानिक रूप से अभिप्रेत उद्देश्य के ठीक विपरीत तरीके से, पेलोसी मुकदमों में सारगत कानून और प्रक्रियात्मक कानून दोनों लागू किए गए।

सारगत उचित प्रक्रिया और प्रक्रियात्मक उचित प्रक्रिया के बीच का अंतर इस बात में निहित है कि अमेरिकी संविधान के ढांचे के भीतर, विशेषकर पाँचवें और चौदहवें संशोधनों के उचित प्रक्रिया उपबंधों के तहत, प्रत्येक अवधारणा कानून और अधिकारों के अलग-अलग पहलुओं की रक्षा करती है।

सारगत उचित प्रक्रिया उन मौलिक अधिकारों और स्वतंत्रताओं से संबंधित है जिनका उल्लंघन सरकार, प्रयुक्त प्रक्रिया कैसी भी हो, नहीं कर सकती। यह कुछ अधिकारों को सरकारी हस्तक्षेप से तब भी बचाती है जब उचित प्रक्रियाएँ अपनाई गई हों। सारगत उचित प्रक्रिया में वे अधिकार शामिल होते हैं जिन्हें मौलिक माना जाता है, जैसे निजता का अधिकार, विवाह करने का अधिकार, और अपने बच्चों का पालन-पोषण करने का अधिकार। जब तक कोई प्रबल राज्य हित न हो, तब तक ये अधिकार सरकारी दखल से सुरक्षित रहते हैं। यह सरकार की शक्तियों पर नियंत्रण के रूप में कार्य करती है, ताकि कानून और विनियम मौलिक स्वतंत्रताओं का उल्लंघन न करें।

प्रक्रियात्मक उचित प्रक्रिया उन प्रक्रियाओं से संबंधित है जिनका सरकार को किसी व्यक्ति के जीवन, स्वतंत्रता या संपत्ति से वंचित करने से पहले पालन करना आवश्यक है। यह सुनिश्चित करती है कि व्यक्तियों को उचित कानूनी प्रक्रियाओं के माध्यम से न्यायसंगत और निष्पक्ष व्यवहार मिले। प्रक्रियात्मक उचित प्रक्रिया सरकार से अपेक्षा करती है कि वह किसी व्यक्ति को उसके अधिकारों से वंचित करने से पहले कुछ निश्चित कदमों या प्रक्रियाओं का पालन करे, जैसे सूचना देना, निष्पक्ष सुनवाई करना, और सुने जाने का अवसर देना। यह उन विधियों पर जोर देती है जिनके द्वारा कानून लागू किए जाते हैं, ताकि यह सुनिश्चित हो कि सरकार न्यायपूर्ण और निष्पक्ष तरीके से कार्य करे।

Pelosi Trials के शुरू होने के बाद से जो लॉफ़ेयर सामने आया है, वह सारगत और प्रक्रियात्मक दोनों प्रकार की उचित विधिक प्रक्रिया के निषेध को दर्शाता है। अमेरिकी नागरिकों के मौलिक अधिकारों का खुलेआम और सफलतापूर्वक हनन किया गया। फ़ॉल्स फ्लैग ऑपरेशंस और संयुक्त राज्य की अल्फ़ाबेट एजेंसियों का खुला भ्रष्टाचार Pelosi Trials शुरू होने से पहले से ही नियमित रूप से उजागर होता रहा है, लेकिन Pelosi Trials के शुरू होने के बाद से दोनों पार्टियों के ग्लोबलिस्टों द्वारा अपनाई गई कानूनी प्रक्रियाएँ प्रक्रियात्मक उचित विधिक प्रक्रिया के विनाश का एक स्पष्ट उदाहरण प्रस्तुत करती हैं।

लेख में पहले हमने पढ़ा, "धार्मिक विधिनिर्माण के पक्ष में किया गया कोई भी आंदोलन वस्तुतः पोपतंत्र के प्रति एक रियायत का कार्य है, जिसने इतने युगों तक अंतरात्मा की स्वतंत्रता के विरुद्ध लगातार युद्ध किया है। रविवार का पालन, एक कथित ईसाई संस्था के रूप में, अपने अस्तित्व का श्रेय 'अधर्म के रहस्य' को देता है; और उसका प्रवर्तन

रोमन कैथोलिकवाद के उन सिद्धांतों की व्यवहार में मान्यता होगा जो उसकी नींव का पत्थर हैं। जब हमारा राष्ट्र अपने शासन के सिद्धांतों का इतना त्याग कर देगा कि वह रविवार का कानून बना दे, प्रोटेस्टेंटवाद इसी कृत्य में पोपवाद से हाथ मिला देगा; यह और कुछ नहीं होगा बल्कि उस तानाशाही को जीवन देना होगा जो लंबे समय से फिर से सक्रिय निरंकुशता में छलांग लगाने के अवसर की उत्सुकता से प्रतीक्षा कर रही है।"

इतिहास की वह रेखा, जिसका निरूपण संयुक्त राज्य अमेरिका के संविधान के माध्यम से किया जा सकता है, में तीन विशिष्ट मील के पत्थर हैं, जो संयुक्त राज्य अमेरिका की शुरुआत और समाप्ति दोनों में संविधान के किसी तत्व का प्रतिनिधित्व करते हैं। इनमें से हर एक एक राजनीतिक कार्रवाई है, और इसलिए वे संयुक्त राज्य अमेरिका के बोलने का प्रतीक हैं। आरंभ में उन तीन मील के पत्थरों में तीसरा, जो 1798 को चिह्नित करता है, एलियन और सेडिशन अधिनियम थे, और समाप्ति पर उन मील के पत्थरों में तीसरा वह है जब संयुक्त राज्य अमेरिका रविवार का कानून लागू करता है और प्रकाशितवाक्य अध्याय तेरह, पद ग्यारह की पूर्ति में अजगर के समान बोलता है।

संयुक्त राज्य अमेरिका के भविष्यवाणी संबंधी इतिहास की शुरुआत उस समय होती है, जब पृथ्वी ने, जो उसका प्रतीक है, अपना मुँह खोला और अजगर के उत्पीड़न की बाढ़ को निगल लिया।

और सर्प ने उस स्त्री के पीछे अपने मुँह से बाढ़ के समान जल उगल दिया, ताकि बाढ़ उसे बहाकर ले जाए। और पृथ्वी ने उस स्त्री की सहायता की; पृथ्वी ने अपना मुँह खोलकर उस बाढ़ को निगल लिया, जिसे अजगर ने अपने मुँह से उगला था। प्रकाशितवाक्य 12:15, 16.

1776 में, वह पशु जो पृथ्वी से उठने वाला था, और जो अंततः 1798 में बाइबिल की भविष्यवाणी का छठा राज्य बना, ने एक ऐसे संविधान के साथ एक राष्ट्र की स्थापना करके, जो यूरोपीय राजघरानों के अत्याचारियों और पोप की कलीसिया के अत्याचारियों का विरोध करता था, ईश्वर के लोगों के विरुद्ध उत्पीड़न की बाढ़ को निगल लिया।

1776 की स्वतंत्रता की घोषणा 2001 के पैट्रियट एक्ट का पूर्वरूप थी। 1789 का संविधान 2022 में शुरू होने वाले पेलोसी ट्रायल्स का पूर्वरूप था। 1798 के एलियन एंड सेडिशन एक्ट्स संयुक्त राज्य अमेरिका में रविवार के कानून का पूर्वरूप थे।

1776 में अमेरिकी देशभक्तों द्वारा की गई स्वतंत्रता की घोषणा ने 2001 के पैट्रियट एक्ट के साथ स्वतंत्रता-हानि की घोषणा का प्रतिनिधित्व किया। 1789 के संविधान ने 2022 से शुरू होने वाले पेलोसी मुकदमों का प्रतिनिधित्व किया। एलियन एंड सेडिशन एक्ट्स रविवार के कानून का प्रतिनिधित्व करते हैं। संविधान के प्रत्येक सिद्धांत के परित्याग का इतिहास संविधान के क्रमिक उलटफेर का प्रतिनिधित्व करता है, जो अंततः रविवार के कानून पर आकर समाप्त होता है।

ये सभी पंक्तियाँ दानिय्येल के ग्यारहवें अध्याय के चालीसवें पद के गुप्त इतिहास में आपस में मेल खाती हैं। इस लेख में हमने टेस्टिमोनीज़, खंड 5, पृष्ठ 451, 452 से चार अनुच्छेद उद्धृत किए।

हम अगले लेख में उन अनुच्छेदों को और करीब से देखेंगे।